[श्री बलराम सिंह यादव]

लेकिन अगर आपका कोई मुख्य मंत्री खुद सार्वजनिक तौर पर यह कहे कि पुलिस और पी०ए०सी० के ऊपर हमको विश्वास नहीं है, तो मैं यह जानना चाहता हूं कि इस संबंध में आप क्या करेंगे और कुछ नहीं करेंगे तो आपकी क्या मजबूरी है ?

दूसरी बात यह है कि अभी आपने यह कहा है कि दो-तीन जगह पी०ए०सी० की ज्यादतियां सामने आई हैं तो क्या पी० ए०सी० को वहां से हट कर आप कोई दूसरी सेन्ट्रल फोर्स लगाने की कृपा करेंगे ?

श्री चन्द्र शेखर : सभापति महोदय, मैं नहीं जानता कि मुख्य मंत्री के किस बयान का जिक्र हमारे माननीय सदस्य कर रहे हैं, लेकिन कोई मुख्य मंत्री अगर इस तरह का बयान देगा तो उसकी पुलिस उसके साथ सहयोग नहीं करेगी, इतनी तो बात मालूम होनी चाहिए । लेकिन उत्तर प्रदेश की पुलिस और पी०ए०सी० ने मुख्य मंत्री के साथ पूरा सहयोग किया है । इसलिए मैं समझता हूं कि इस वक्तव्य का कोई आधार नहीं होगा ।

श्री बलराम सिंह यादव : उस वक्तव्य का कैसेट है । अगर सभापति महोदय आज्ञा दें तो वह पेश किया जा सकता है... (व्यवधान) ।

श्री चन्द्रशेखर : दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि जहां तक कोई शिकायत आई है तो उसकी जांच हुई, लेकिन पूरी तरह से पी०ए०सी० को नहीं हटाया गया । वहां पर लोगों में विश्वास पैदा करने के लिए सेन्ट्रल पुलिस की टुकड़ियां भी भेजी गई ताकि लोगों के मन में विश्वास बना रहे ।

MR. CHAIRMAN: The discussion is over. The House is adjourned now and we will meet again at 2. 30 -p. m.

The House then adjourned for lunch at fourteen minutes past one of the clock.

The House reassembled after lunch at thirty-four minutes past two of the dock, THE VICE CHAIRMAN (SHR1 M. A. BABY) in the Chair.„

ANNOUNCEMENT RE. GOVERNMENT BUSINESS FOR THE WEEK COMMENCING 7TH JANUARY, 1991.

THE VICE-CHAIRMAN: Statement regarding Government business.

SHRI GOPALSINH G. SOLANKI (Gujarat): Sir, I may be given a chance.

THE VICE-CHAIRMAN: Let him make the Statement.

संसदीय कार्य मंत्री (श्री प्रिय प्रकाश कारवीय) : महोदय, आपकी अनुमति से मैं यह सूचित करता हूं कि सोमवार, 7 जनवरी, 1991 से प्रारम्भ होने वाले सप्ताह के दौरान इस सदन में निम्नलिखित सरकारी कार्य किया जाएगा :—

(1) गोवा राज्य में राष्ट्रपति शासन संबंधी संकल्प पर चर्चा

(2) निम्नलिखित विधेयकों को संयुक्त समिति को सौंपने संबंधी प्रस्तावों पर चर्चा :—

(क) लोक प्रतिनिधित्व (संशोधन) विधेयक, 1990

(ख) अर्जित प्रतिरक्षण न्यूनता संलक्षण (एडस) निवारण विधेयक, 1989

(3) असम राज्य में राष्ट्रपति शासन संबंधी संकल्प पर चर्चा

(4) लोक सभा द्वारा पारित किए गए रूप में निम्नलिखित विधेयकों पर विचार और पारित करना/लौटाना :—

(1) छावनी (संशोधन) विधेयक, 1991

(2) लोक दायित्व बीमा विधेयक 1991

(3) मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (सेवा शर्तें) विधेयक, 1991

(4) भारतीय पुनर्वास परिषद् विधेयक, 1991

(5) पटसन निर्माण विकास परिषद् (संशोधन) विधेयक, 1991

(6) असम विनियोग विधेयक, 1991

(7) विनियोग (सं0 4) विधेयक, 1991

(8) जम्मू और कश्मीर विनियोग विधेयक, 1991

(9) भारतीय रिजर्व बैंक (संशोधन) विधेयक, 1991

(10) कार धान विधियां (संशोधन) विधेयक, 1991

(11) संसद में विपक्षी नेत वेतन और भत्ता (संशोधन) विधेयक, 1991

THE VICE-CHAIRMAN: (SHRI M. A. BABY): Now, Private Members' business — Resolutions.

SHRI SURESH KALMADI (Maharashtra): Sir, the Minister for Civil Aviation is not here on a major thing like this. How can I move my Resolution?

SHRI V. NARAYANASAMY: (Pondicherry): Where is he? Who is going to reply?

SHRI SURESH KALMADI: When the Mnisters are not here, how will you run the Government?.. (*Interruptions)*..

SHRI GOPALSINH G. SOLANKI (Gujarat): Sir...

THE, VICE-CHAIRMAN (SHRI M. A. BABY): Want is the matter?.. *(Interrup'tions)*.. I hope the Government will come out with their position.

SHRI SURESH KALMADI: Mr. Kamal Morarka is sitting there and he can always say.. (*Interrupions),*.

SHRI V. NARAYANASAMY: Even the Leader of the House is here. .. *{Interruptions)*..

THE LEADER OF THE HOUSE (SHRI YASHWANT S1NHA): Sr, we ere all here and we will take note of all the points made by the Members. The Civil Aviation Minister, unfortunately, is not well, but despite his illness we have asked him to come. He will be joining us shortly. .. *{Inerruptions)*.. All of us. Collective responsibility is total responsibility ... *{Interruptions)*...

RE. QUESTION OF PRIVILEGE

SHRI GOPALSINH G SOLANKI (Gujarat): Mr. Vice-Chairman, Sir, on the 29th of November, four teachers of a school and a tailor wire killed in Godhra. The Chief Minister of Gujarati was to visit Godhra town on the 20th of November 1990 and he promised t<> visit the near and dear relatives of the dead people at that time.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV (Maharashtra): Sir, on a point of order. Sir, on a Private Members' day it is the privilege of the Private Members that during the period 2. 30 p. m. to 5. 00 p. m., no other business should come and nothing else should be allowed. Then, why are you permititng him?.. (*Interruptions)*

SHRI SURESH KALMADI (Maharashtra): He can raise the issue at five o'clock.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: Yes, Sir.. (*Interruptions)*..

SHRI GOPALSINH G. SOLANKI (Gujarat): Sir, on that date I was present there. Not only that. I requested the Chief Minister o pay a via here. Meanwhile he asked us to go the[r]e in advance along with the leading citizens of the town. We went there and were with the people who had already gathered there. Then, the Special I. G. of Police Shri P. K. Datta, all of a sudden cams there before the Chief Minister arrived there and immediately, without any cause, opened Jathi charge and started hiding people who had gathered there and we[r]e waiting for the Chief Minister's arrival there. I approached him and asked him why he was doing it because it was unwarranted. He told me that he did not consider the status of an MP or the presence of an MP and asked me to go away or, otherwise, would beat